>

Title: Need to review the new opium policy in Rajasthan with a view to protect the interest of the opium growers in the State.

ाळ श्रीचन्द कृपलानी : सभापति जी, मैं आपके माध्यम से हमारे देश के अफीम किसानों की समस्या रखना चाहता हूँ। अफीम की पॉलिसी भारत सरकार बनाती है। एनडीए के राज में जब पालिसी बनती थी तो उस समय किसानों के हित में, किसानों की समस्याओं का ध्यान रखने के लिए अफीम उत्पादन क्षेत्र के सभी सांसदों को बुलाया जाता था, लेकिन यूपीए सरकार आने के बाद वित्त मंत्री जी ने पिछले चार वर्षों में एक बार भी मीटिंग नहीं बुलाई और अफीम काश्तकारों के विपरीत पालिसी बनाई गई। इस पालिसी के कारण पूरे राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में आंदोलन चल रहे हैं। हमारे चित्तौड़गढ़ में भी किसान संघ की तरफ से आंदोलन चलाया जा रहा है। बारा में आंदोलन चल रहा है, झालावाड़ में आंदोलन चल रहा है। इससे काश्तकारों को बहुत नुकसान हो रहा है।

मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि अफीम काश्तकारों के हित में आपने पालिसी तो नहीं बनाई, कोई बात नहीं, लेकिन कुछ संशोधन तो उसमें आप कर सकते हैं जिससे पिछले चार वर्षों में अफीम काश्तकारों के जो पट्टे कटे हैं, वे पट्टे वापस मिल सकते हैं। मैं दो-तीन पॉइंट निवेदन करना चाहता हूँ। ...(व्यवधान)

सभापति महोदय : हो गया। आप अपनी डिमांड करिये।

श्री श्रीचन्द कृपलानी : एक तो सरकार ने गाढता का सिद्धांत लागू कर दिया। अफीम नीति में 55 प्रतिशत गाढता का सिद्धांत लागू करने की वजह से पिछले चार वर्षों में 40,000 पट्टे कट गए हैं। मेरा निवेदन है कि जिन किसानों के पट्टे इस गाढता के सिद्धांत की वजह से पिछले चार वर्षों में कटे हैं, उनको वे पट्टे तुंत वापस दिये जाएं और गाढता का सिद्धांत बिल्कुल समाप्त किया जाए। पिछले 10 वर्षों से जो पट्टे मिलावट की वजह से या किसी मौसमी मार जैसे ओलावृष्टि या अतिवृष्टि की वजह से जिन किसानों के पट्टे कटे हैं, वे उनको वापस दिये जाएं। अफीम का भाव 10 हजार रुपये प्रति किलो किया जाए। 10-10 आरी के नए पट्टे काश्तकारों को, नए गांवों को तथा पुराने मोजो में भी दिये जाएं। नए मोजो भी खोले जाएं। जिन गांवों में पांच से कम पट्टे काट दिये गए हैं, वे पट्टे तुंत वापस किये जाएं। वर्षों से जो किसान अफीम बो रहे थे, गांव की सीमा पर या पड़ोस के गांव में बो रहे थे। [h83] उनको पट्टे बोने से रोक दिया गया है, उसको फिर से शुरू किया जाए।...(व्यवधान)

सभापति महोदय : आपका मैटर आ गया है। ज़ीरो ओवर में केवल मेंशन किया जाता है। आपका मेंशन आ गया है।

श्री श्रीचन्द कृपलानी : मेरा अंतिम निवेदन यह है कि जो काश्तकार अपनी अफीम हकवाना चाहता है, उनको अफीम हकवाने से पहले डोडा पोश्त निकालने की इजाजत दी जाए।...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Now, Shri Kharventhan.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record except the submission of Shri Kharventhan.

श्री गिरधारी लाल भार्गव (जयपुर) : महोदय, मैं भी अपने को इस विषय से संबद्ध करता हूं।

सभापति महोदय : ठीक है।